स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

****

चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता की वर्ष 2018-19 के दौरान कार्य प्रणाली पर सरकार की समीक्षा

*****

चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (सीएनसीआई), कोलकाता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान है। इसका प्रबंधन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में शासी निकाय द्वारा किया जाता है जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री पश्चिम बंगाल सरकार शासी निकाय के वैकल्पिक अध्यक्ष है। शासी निकाय में अन्य के साथ-साथ भारत सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे चयनित प्रमुख संस्थानों के निदेशक और संस्थान के विशेषज्ञ व संकाय सदस्य प्रतिनिधि के रूप में शामिल होते हैं। संस्थान की रूपलाल नंदी मेमोरियल कैंसर अनुसंधान केंद्र (आरएनएमसीआरसी) के नाम से चंदननगर में एक अन्य यूनिट है। संस्थान क्षेत्रीय कैंसर केंद्र भी है। इसका वित्त पोषण संयुक्त रूप से भारत सरकार तथा पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राजस्व व्यय के लिए 45:55 के अनुपात में तथा पूंजीगत व्यय के लिए 75:25 के अनुपात में किया जाता है। वर्ष 2018-19 के दौरान, संस्थान को अपनी गतिविधियों के लिए 87.39 करोड़ रु. (राजस्व) (भारत सरकार से 29.90 करोड़ रु. और पश्चिम बंगाल सरकार से 57.49 करोड़ रु) तथा 140.34 करोड़ रु. (पूंजीगत) (भारत सरकार से 98.59 करोड़ रु. व पश्चिम बंगाल सरकार से 41.75 करोड़ रु.) की राशि निर्गत की गई थी। राजरहाट, कोलकाता में सीएनसीआई के दूसरे परिसर के विकास हेतु 127.40 करोड़ रु. सहित 140.34 करोड़ रु. (पूंजीगत) अनुदान निर्गत किया गया।

संस्थान में अनुसंधान खंड और अस्पताल खंड भी है। अनुसंधान खंड में सत्रह विभाग हैं। सीएनसीआई के अनुसंधान खंड में योग्यता-प्राप्त वैज्ञानिक हैं जो मुख्यतः कैंसर के विकास में मॉलीक्यूलर प्रणालियों को समझने, मॉलीक्यूलर मार्करों की पहचान करने, लक्षित उपचार, कैंसर की रोकथाम करने, महामारी विज्ञान, कैंसररोधी दवा का विकास और इम्यूनोरेग्युलेशन पर ध्यान दे रहे हैं। इन विभागों का उद्देश्य हमारे देश की सामाजिक आर्थिक आवश्यकता के अनुरूप कैंसर पर अनुसंधान करने के साथ-साथ पीएचडी डिग्री प्रदान करते हुए अनुसंधान कार्य के क्षेत्र में योग्यता प्राप्त जनशक्ति का सृजन करने में योगदान करना है। संस्थान पैथोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के साथ-साथ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में राष्ट्रीय बोर्ड में डिप्लोमा (डीएनबी) पाठ्यक्रम भी चलाता है। यह विभाग उत्तम गुणवत्ता अनुसंधान कार्य करने की आशा के साथ आधुनिक, अत्याधुनिक गेजेट से सुसज्जित है। वर्ष के दौरान, विभिन्न विश्वविद्यालय के छात्रों को कैंसर अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया गया।

अस्पताल खंड में चौदह सुसज्जित विभाग हैं जिनमें 200 बिस्तर हैं। अस्पताल के विभाग नामतः सर्जिकल ऑन्कोलॉज, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियो डायगोनोसिस, रेडियो थेरेपी, स्त्री रोग विज्ञान, एनेस्थीसी विज्ञान में रोगी की देखभाल, उपचार और प्रबंधन सुविधाओं से संबंधित प्रमुख उन्नयन कार्य हुए हैं। अस्पताल में कुशल प्रशिक्षित जनशक्ति सहायता करते हैं।

राजरहाट, कोलकाता में सीएनसीआई के दूसरे आगामी परिसर के अस्पताल में 460 बिस्तर (आईसीयू के लिए 96 बिस्तर, इमरजेंसी, प्री/पोस्ट आईसीयू आदित सहित) हैं। वर्ष के दौरान इस नए परिसर के लिए गतिविधियां मुख्य रूप से सिविल निर्माण से संबंधित हैं। दूसरे परिसर में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, हेउ ऐंड नैक ऑनकोलॉजी, गायने-ऑनकोलॉजी, पीएडिट्रिक ऑनकोलॉजी, रेडियो डायग्नोसिस, न्यूक्लियर मेडिसन, प्रीवेन्टिव ऑनकोलॉजी, पालिएटिव

केयर, रिहाबिलाटेशन के लिए सुविधाएं होगी। आगामी परिसर में, ब्लड बैंक ऐंड ट्रांसफ्यूजन, मेडिसन, डायग्नोस्टिक पीईटी-सीटी स्केन, एमआरआई, बोन मैरो थैरेपी और माल्यूक्यूलर पैथोजॉजी जैसे विभिन्न विशेषज्ञता प्राप्त विभागों के द्वारा व्यापक स्तर पर कैंसर उपचार प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

वर्ष 2018-19 के दौरान, सीएनसीआई ने अपने मौजूदा परिसर का उन्नयन किया है। सीएनसीआई द्वारा प्राप्त की गई कुछ उपलब्धियां निम्नानुसार थीं:-

(i) नए अधिग्रहीत किए गए सीटी सिम्युलेटर के साथ रेडियोथेरेपी के लिए नैदानिक सीटी स्कैन और सीटी की तैयार आरंभ की।

(ii) एनेसथीसिया और सर्जरी में आधुनिक उपकरणों को शामिल करके मुख्य ऑपरेशन थिएटर परिसर का नवीकरण किया गया।

(iii) अस्पताल के भवन का सौंदर्यकरण, स्टोर का नवीकरण, म्यूजिक सिस्टम के साथ वार्ड की एलईडी लाइट सजावट, वार्ड में रोगी-मोटोराइज्ड बिस्तर को शुरू किया गया।

(iv) संस्थान को "ए" श्रेणी के अस्पतालों के रूप में कैंसर उपचार की सभी तौर-तरीकों के लिए स्वास्थ्य साथी (राज्य द्वारा प्रायोजित चिकित्सा बीमा स्कीम) में पैनलबद्ध करवाया गया था। इस स्कीम के अंतर्गत 2000 से अधिक रोगी लाभ उठा रहे हैं।

(v) राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के अंतर्गत बीपीएल रोगियों को नि:शुल्क कीमोथैरेपी प्रदान की गई।

(vi) जारी अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए बाह्य विशेषज्ञों द्वारा अनुसंधान विभाग में वैज्ञानिक परियोजनाओं का वार्षिक मूल्यांकन शुरू किया।

सीएनसीआई में कैंसर अनुसंधान और उपचार के लिए अत्याधुनिक पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में कैंसर प्रबंधन के लिए आवश्यक सभी पुस्तकें और पत्रिकाएं (हार्डकापी के साथ-साथ ऑनलाइन देखने दोनों की सुविधा) हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान सीएनसीआई में उपचार के लिए भर्ती किए गए रोगियों (नए, पुराने और भर्ती किए गए) का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष 2018-19 के दौरान उपचार के लिए पंजीकृत नए कैंसर रोगियों की संख्या	9220
वर्ष 2018-19 के दौरान उपचार के लिए भर्ती किए गए कैंसर रोगियों की संख्या	5956
वर्ष 2018-19 के दौरान ओपीडी में देखे गए पुराने और नए मामलों की संख्या	60334

संदर्भित अवधि के दौरान चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का समग्र कार्य संतोषजनक था।

अधिप्रमाणित

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

(ASHWINI KUMAR CHOUBEY)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
Minister of State for Health & Family Welfare
भारत सरकार/Govt. of India
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011
Nirman Bhawan, New Delhi-110011

चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता के वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे को प्रस्तुत किए जाने में विलंब संबंधी विवरण।

चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता के वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे संसद के शीतकालीन सत्र, 2019 के दौरान प्राप्त हुए थे। वर्ष 2018-19 के वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षित रिपोर्ट को तैयार करने के विभिन्न चरणों और प्रत्येक चरण में लिये गये समय का विवरण निम्नवत् है:

क्र.सं.	कार्यकलाप	दिनांक
1	वर्ष 2018-19 की वार्षिक लेखों को डीजीए (कोलकाता) को प्रस्तुत किया जाना	25.06.2019
2	वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा की शुरुआत	03.07.2019
3	लेखा परीक्षा की समाप्ति	25.07.2019
4	डीजीए (कोलकाता) से प्रारूप लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्राप्ति	30.08.2019
5	प्रारूप लेखा परीक्षा रिपोर्ट संबंधी उत्तर डीजीए (कोलकाता) को प्रेषित	30.08.2019
6	सी एंड एजी से अंतिम लेखा परीक्षा रिपोर्ट/ प्रमाण-पत्र की प्राप्ति	25.10.2019
7	संपादन / अनुवाद कार्य की समाप्ति	26.10.2019
8	वार्षिक रिपोर्ट का अंतिम मुद्रण	07.11.2019
9	वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां मंत्रालय में प्राप्त	18.11.2019

2. संस्थान के उप-नियमों के अनुसार, संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखों, जिसमें प्राप्ति और व्यय का विवरण हो तथा लेखा परीक्षित रिपोर्ट को संस्थान के शासी निकाय और स्थायी वित्त समिति द्वारा अनुमोदित होना चाहिए। तथापि, वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित रिपोर्ट शासी निकाय और स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) द्वारा अनुमोदित नहीं थे, इसलिए उन्हें संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पटल पर नहीं रखा जा सका।

3. वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित रिपोर्ट को दिनांक 23.12.2019 को आयोजित संस्थान की 44वीं एसएफसी बैठक के दौरान प्रस्तुत किया गया तथा उसे एसएफसी द्वारा अनुमोदित किया गया। वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित रिपोर्ट को चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के शासी निकाय के अध्यक्ष की हैसियत से माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा भी अनुमोदित कर दिया गया है। चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता के वर्ष 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे को अब सभा पटल पर रखा जा रहा है।

अधिप्रमाणित

(अश्विनी कुमार चौबे)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री

(अश्विनी कुमार चौबे)
(ASHWINI KUMAR CHOUBEY)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
Minister of State for Health & Family Welfare
भारत सरकार/Govt. of India
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011
Nirman Bhawan, New Delhi-110011